आज़ादी का अमृत महोत्सव

सत्यमेव जयते

उपभोक्ता मामले,
खाद्य और सार्वजनिक वितरण एवं
ग्रामीण विकास राज्य मंत्री

साध्वी निरंजन ज्योति

संदेश

राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में भाषा का महत्वपूर्ण योगदान होता है। वैज्ञानिकों ने भी माना है कि हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा है, हिंदी में उच्चारित होने वाली ध्वनियों को व्यक्त करना अत्यंत सरल है। हिंदी में जैसा बोला जाता है, वैसे ही लिखा जाता है और हिंदी की इन्हीं विशेषताओं और लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए भारत की संविधान सभा ने गहन विचार–विमर्श के बाद आपसी सहमति से हिंदी को भारत संघ की राजभाषा का दर्जा दिया तथा हिंदी से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों को 14 सितंबर, 1949 को अंगीकार किया। इसी उपलक्ष्य में हम प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं।

आज के प्रबल प्रतिस्पर्धा के युग में व्यक्तित्व विकास, व्यावसायिक गतिशीलता और भाषायी सह–अस्तित्व के लिए यह आवश्यक है कि हमें हिंदी का भी उतना ही अच्छा ज्ञान हो जितना कि प्रान्तीय और अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं का। सहज, सरल और बोलचाल की हिंदी ही समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों में अधिक लोकप्रिय होगी, जो सतत व स्थायी रूप से अधिक विशाल क्षेत्र में प्रयोग में लाई जा सकेगी।

भारत सरकार, राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, वैश्विक मंच पर हिंदी में भाषण देकर हिंदी को सुदृढ़ करने के साथ–साथ देशवासियों को अपनी भाषा पर गर्व की अनुभूति करवाते हैं, जिससे कि जनसामान्य भी हिंदी का अधिक से अधिक उपयोग कर सके। हिंदी को औपचारिक भाषा तक सीमित न करके इसे जनमानस की भाषा बनाना है। इस कार्य में हम सभी की भागीदारी अपेक्षित है। आधुनिक हिंदी के रचनाकार भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जी ने कहा है–

"निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।"

हिंदी दिवस के इस अवसर पर खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से मेरी अपील है कि वे अपना अधिक से अधिक कार्य पूरे उत्साह, लगन और गर्व के साथ हिंदी में करें। आइए, हम सभी संकल्प लें कि हम सभी पूरे सेवा काल के दौरान अपना अधिकांश कार्य हिंदी भाषा में करेंगे।

"हिंदी दिवस के पावन अवसर पर आप सभी को मेरी अनंत शुभकामनाएं, जय हिंद"

14 सितम्बर, 2022
नई दिल्ली

निरंजन ज्योति

(साध्वी निरंजन ज्योति)